माननीय सदस्यगण,

आप सबों का स्वागत है । आज का यह उपवेशन लोकतांत्रिक परंपराओं की गरिमा और उत्तरदायित्व का प्रतीक है । हम सभी यहाँ एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया ''माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी द्वारा सदन का विश्वास प्राप्त करने'' के निर्वहन के लिए एकत्रित हुए हैं ।

माननीय सदस्यगण, विधान सभा केवल बहुमत का मंच नहीं, बल्कि विचार, मर्यादा और जन-आस्था का केन्द्र भी है । आज का दिन हमें यह स्मरण कराता है कि सत्ता का वास्तविक आधार जनता का विश्वास है, और उसी विश्वास की अभिव्यक्ति इस सदन के माध्यम से होती है । यह प्रक्रिया न केवल सरकार की वैधता को सुदृढ़ करती है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी सजीव बनाए रखती है ।

मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, किन्तु मर्यादा उसकी पहचान है । मैं सभी माननीय सदस्यों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इस अवसर पर पूरी शालीनता से इस विचार-विमर्श में भाग लेंगे । चर्चा सार्थक और संयमित हो, यही इस सदन की परंपरा रही है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संसदीय प्रक्रिया, पारदर्शिता, शुचिता और संविधान के प्रति हमारी निष्ठा को और अधिक दृढ़ करेगी । आइए हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक अवसर को लोकतांत्रिक आदर्शों के अनुरूप सफल बनाएँ ।

*****